L-55 Political Science राजनीति विज्ञान Dr. Avinash Kumar

शक्ति और सत्ता (Power and Authority) - राजनीतिक संगठन उन संरचनाओं द्वारा निर्मित होते हैं जो कि बल के प्रयोग का नियमन करती हैं तथा सामाजिक सहयोग और नेतृत्व से सम्बन्धित होती हैं इनमें शक्ति और सत्ता का महत्वपूर्ण स्थान होता है। शक्ति व्यक्तियों, समूहों तथा भौतिक परिस्थितियों के प्रतिरोध के होते हुए भी स्वतन्त्र कार्य करने की क्षमता का नाम है। यह आदेश देने की क्षमता है। इसे अपनी इच्छा को प्रभावशाली ढंग से पूर्ण करने की योग्यता के रूप में देखा जा सकता है और यदि आवश्यकता पड़े तो दूसरों पर थोपा जा सकता है। इतिहास में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जिनमें दूसरे राज्यों पर अनधिकृत रूप से अधिकार किया गया अथवा उन पर विजय प्राप्त की गई, किन्तु बाद में धीरे-धीरे उन्हें जनस्वीकृति प्राप्त हो गई और वे सत्ता बन गए। सत्ता के बिना शक्ति असंस्थागीकृत, असाधनात्मक, परिस्थितिजन्य एवं अनिश्चित होती है। सत्ता संस्थागीकृत होने के कारण अपने विधान-क्षेत्र और प्रकृति से निश्चित होती है, इसके निर्देशों को व्यवहारिक मानकर पालन किया जाता है। सत्ता निश्चित, स्पष्ट तथा प्रत्यक्ष होती है। इसलिए इसका विभिन्न स्तरों पर व्यक्तियों, संस्थाओं अथवा समूहों में प्रत्यायोजन किया जा सकता है। शक्ति में इस प्रकार की स्पष्टता एवं निश्चितता का अभाव होता है। चार्ल्स ई. मेरियम ने अपनी पुस्तक 'Political Power' में शक्ति और सत्ता में कोई भेद नहीं किया है, लेकिन वास्तव में इस प्रकार का दृष्टिकोण उचित नहीं है। शक्ति दमन का एक यन्त्र है और इसका प्रभाव भौतिक होता है। सत्ता सहमति पर आधारित हो सकती है और इसके साथ ही अधिक प्रभावदायक हो सकती है। अनेक राजनीतिक और सामाजिक संस्थाएं ऐसी हैं जो कि बहुत अधिक सत्ता का प्रयोग करती हैं, किन्तु केवल सहमति पर आधारित है। शिक्षक, पत्रकार और जन-सेवक की सत्ता सहमति पर आधारित नहीं होती फिर भी उसका बहुत अधिक सम्मान किया जाता है।

Avinash

राजनीतिक व्यवस्थाओं और संगठनों में अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं कि वरिष्ठ अधिकारी के पास केवल सत्ता है और अधीनस्थ या कनिष्ठ व्यक्तियों के पास शक्ति, लेकिन यह अवांछित स्थिति ही है। इन दोनों का उचित सन्तुलन राजनीति की एक शाश्वत समस्या है, जिसे सकल नेतृत्व के द्वारा ही सुलझाया जा सकता है। राजनीतिक व्यवस्था और संगठनों में सत्ता और शक्ति को सामान्य रूप से संयुक्त किया जाता है और ऐसा किया जाना आवश्यक है, क्योंकि अत्यन्त लोकप्रिय शासक को भी शासन सत्ता के संचालन के लिए सत्ता और शक्ति दोनों की आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner